तीन चूतों की गैंग बैंग चुदाई-3

“मोनू और प्रियंका बैड से नीचे उतर कर मुस्कान के पास चले गये। प्रियंका ने सतीश से घोड़ी बन कर चुद रही मुस्कान की गांड को हाथों से खोला और उसे ध्यान से देखने लगी। ...”

Story By: रवि स्मार्ट (smartcouple11)
Posted: Sunday, March 8th, 2020
Categories: ग्रुप सेक्स स्टोरी
Online version: तीन चूतों की गैंग बैंग चुदाई-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीन चूतों की गैंग बैंग चुदाई-3

 यह कहानी सुनें

मैंने सीमा को घोड़ी बनने को बोल दिया ताकि पीछे से उसकी चूत में लंड डाल दूँ.
परन्तु सीमा ने कहा- मुझे तो गोद में बैठना है.
यह सुन कर प्रियंका बोली- इसे डर होगा कि कहीं इसकी गांड न फाड़ दो आप पीछे से.
यह सुन कर सीमा फिर बोली- साली, डर की कोई बात नहीं.

मोनू बोला- मेरे से रोज़ गांड मरवाती है ये !
मैंने सीमा को अपनी गोद में बिठाया और नीचे से उसकी चूत में लंड डाल दिया।

और साथ ही मैंने मोनू की बात सुन कर कहा- अच्छा … तो फिर आज फिर फाड़ देते हैं इसकी गांड !

सीमा लंड चूत में डलवा कर सिसकती हुई बोली- उफ्फ … सालो, जो कर रहे हो पहले वो कर लो.
तब तक मोनू ने भी प्रियंका की चूत में लंड डाल दिया था.

हम तीनों लड़के तीनों लड़कियों को चोद रहे थे।

सतीश ने अब मुस्कान को गोद में से उठाया और घोड़ी बना कर पीछे से उसकी चूत में लंड डाल दिया. मुस्कान मजेदार सिसकारियाँ लेकर चूत चुदवा रही थी।

मैंने एक बार पूरा लंड सीमा की चूत से निकाला और जोर से उसकी चूत में लंड डाल कर बोला- ले साली कुतिया, चुदवा अपनी फुद्दी साली उफ़!
सीमा ने भी सिसकते हुए मज़े में कहा- चोद दे मेरे कुत्ते, ये फुद्दी आज के लिए तेरी है … आह्ह!
सामने प्रियंका भी मोनू से कह रही थी- उफफ फफ … फ़क मी हार्ड … अह्ह ऐसे ही चोद मेरी!

तभी मैंने सीमा के चूतड़ों के नीचे दोनों हाथ रख कर उसे ऊपर उठाया और उसे दुबारा अपने लंड पर रख कर पीछे से उसकी गांड में एक उंगली डाल दी.
तो सीमा बोली- उई आह्ह्ह … क्या कर रहे हो?
मैंने कहा- साली, तेरी गांड मार रहा हूँ उंगली से, कैसा लग रहा है?
वो बोली- आह … मज़ेदार … चोदो ऐसे ही आह!

मैंने फिर कहा- बोल तेरी गांड में भी लंड डलवा दूँ क्या साली फक्ड गर्ल?
वो बोली- नहीं अभी नहीं! ओह्ह बस चोद दो अब तो मुझे!
मैंने भी जोर जोर से उसकी चूत को चोदना शुरू कर दिया.

और मैंने देखा उधर सतीश भी जोर जोर से मुस्कान को चोद रहा था. मुस्कान बहुत जोर जोर से सिसकारियाँ निकाल रही थी.
उसकी सिसकारियाँ सुन कर मोनू प्रियंका को चोदता हुआ बोला- उफ्फ … साली मुस्कान तो ऐसे तड़प रही है जैसे पहली बार चुद रही हो.

मुस्कान की चूत को चोदता हुआ सतीश बोला- आजा तू भी देख ले इसे चोद कर … तुझे

खुद पता चल जायेगा यार.
सतीश से चुद रही मुस्कान भी सिसकारियाँ निकाल रही थी।

तभी मैंने देखा मोनू और प्रियंका ने कुछ बात की और दोनों बैड से नीचे उतर कर मुस्कान के पास चले गये। प्रियंका ने सतीश से घोड़ी बन कर चुद रही मुस्कान की गांड को हाथों से खोला और उसे ध्यान से देखने लगी।

मैंने और सीमा ने उसे ऐसा करते देख लिया. मैंने सीमा को चोदते हुए उसके कान में कहा- देख डार्लिंग, लगता है मुस्कान की गांड फटने वाली है अब.
सीमा ने मेरी बात सुन कर अपनी चूत को जोर से मेरे लंड पर मारा और उन्हें बोली- साली प्रियंका को अपनी गांड फड़वाने से डर लगता है, अब मुस्कान की गांड फड़वाएगी.

इतनी बात सुनते ही प्रियंका बोली- तू अपनी चूत चुदा ले पहले साली ! आज के लिए मैंने तुझे अपना चोदू यार गिफ्ट किया हुआ है. मैं तो मुस्कान की चूत देख रही हूँ.
उसकी ये बात सुन कर मैं बोला- अरे सीमा ने भी तो तुझे अपना यार बदले में दिया ही है. इतना क्यों इतराती है बहनचोद ?

तभी मैंने देखा कि सतीश ने अपना लौड़ा मुस्कान की चूत से निकाल दिया था और उसकी जगह मोनू ने अपना लंड मुस्कान की गीली चूत में डाल दिया और वो मुस्कान को चोदने लगा.

सतीश ने मुस्कान के सामने ही नीचे कारपेट पर प्रियंका को घोड़ी बनाया और उसकी चूत में अपना लौड़ा डाल दिया. दोनों अदल बदल कर दोनों लड़कियों की चूतें चोद रहे थे।

इधर मेरी गोद में बैठ कर चुद रही सीमा के मैं कभी मम्में चूसने लगता और कभी उसके होंठों को चूसता. और कभी उसको ऊपर नीचे करके उसकी चूत चोदने लगता.

सीमा ‘उन्ह आह्ह् सीस सीसी उफ्फ … चोदो अह्ह्ह मैं गयी … उफ्फ …’ करने लगी थी. मुझे लगा कि सीमा का काम होने वाला है. उसकी चूत की गर्माहट से मेरे लौड़े का तापमान भी बढ़ गया था और वो भी पिघलने के नज़दीक ही था.

तभी मैंने महसूस किया कि सीमा की फुद्दी ने अपना रस छोड़ दिया. सीमा ने मुझे बांहों में लिपेट लिया. मैंने भी उसके होंठों को अपने होंठों में ले लिया और उसकी जीभ पर अपनी जीभ रख कर उसे अपनी बांहों में लिपेट कर उसकी चूत से निकल रहे रस को महसूस करने लगा.

पिघल रही सीमा के इस वार से मैं भी बच न सका और मेरा भी लौड़ा छूटने के बहुत नज़दीक पहुँच गया. मैंने ज़ल्दी से सीमा को कहा- उह मैं गया !
मैंने उसकी चूत से अपना लौड़ा निकाल कर उसको लिटा दिया और मैंने उसके पेट ऊपर अपना रस निकाल दिया।

पास रखे हुए कपड़े से उसने अपना पेट के ऊपर पड़ा वीर्य साफ़ किया और हम दोनों ने एक दूसरे को किस की.
मैंने उससे पूछा- कितना मज़ा आया डार्लिंग ?
तो सीमा बोली- बहुत ज्यादा यार !

सच में हम दोनों को बहुत मज़ा आया था.

हम दोनों नीचे उतरे और चुदाई कर रहे दोनों जोड़ों के पास चले गये. सीमा प्रियंका और सतीश के पास और मैं मुस्कान और मोनू के पास पहुँच गया.

मैंने देखा कि वो भी सभी झड़ने के नज़दीक थे. मैंने अपना लंड मुस्कान के मुंह के पास किया तो मुस्कान ने अपने एक हाथ से मेरा लंड अपने मुंह में ले लिया और पीछे उसकी

चूत में मोनू ने लंड डाला हुआ था.

और प्रियंका के सामने जाकर सीमा ने कहा- अब बोल साली कुतिया क्या कह रही थी ?
प्रियंका झड़ने के नज़दीक थी तो वो ‘उफ्फ उन्ह्ह आह्ह्ह सी सी …’ के आगे कुछ न बोली. और तभी उसने भी अपनी चूत का रस छोड़ दिया और झड़ गयी.

सतीश ने कुछ देर उसे चोदने के बाद उसकी चूत से लंड निकाला और उसकी गांड के ऊपर अपना रस निकाल दिया।

मुस्कान मेरे लंड को बहुत स्पीड से चूस रही थी जिससे मेरे लंड में फिर से जान आने लगी थी.

और वो भी तीनों हमारे पास आ गये थे.
सीमा बोली- लो जी, रवि जी तो कब के मुस्कान के लिए तरस रहे थे.
मैंने कहा- साली, तुम जैसे ही ये भी मेरी ख़ास दोस्त है.

तभी मुस्कान ने भी मेरा लंड मुंह से निकाल दिया और ‘उफ्फ उन्हह उन्ह उई मैं गयीईई ईईईईई …’ ऐसे करती हुई झड़ने लगी.
मोनू भी तेज तेज अपना लौड़ा उसकी चूत में आगे पीछे करने लगा.
मुस्कान झड़ गयी और मोनू ने अपना लंड प्रियंका के मुंह में दे दिया. प्रियंका मज़े लेकर मोनू का झड़ रहा लौड़ा चूसने लगी और उसका साथ सीमा भी देने लगी.
ऐसे मोनू भी झड़ गया।

अब हम सभी झड़ चुके थे।

हम सभी अब बैड पर आकर बैठ गये. बेशक बैड काफी बड़ा था परन्तु फिर भी छह लोगों के बैठने से पूरा भर गया.

मैं, सीमा और प्रियंका एक साइड बैठे थे और हमारे सामने सतीश, मोनू और मुस्कान बैठे थे।

हम सभी आपस में बातें करने लगे और अपने आप को आया मज़ा शेयर करने लगे।

मैंने प्रियंका को कहा- साली तू क्यों हमसे जल रही थी ?
वो मुस्कराते हुए बोली- जल मैं नहीं, तुम्हारी ये साली चुदकड़ कुतिया सीमा जल रही थी, ये मुझे बार बार छेड़ रही थी.
सीमा तुरंत बोली- अरे जान, मैं तो मज़ाक कर रही थी, हम तो इतनी अच्छी दोस्त हैं यार, उस टाइम मज़ा बहुत आ रहा था, क्या करती, दिल करता था तुझे छेड़ने का.

मैंने कहा- अरे मुस्कान, तुझे क्या हुआ है बेबी, तू बिल्कुल चुप बैठी है ? चुदते हुए भी बस आह उह के इलावा कुछ नहीं बोली ?
इससे पहले कि मुस्कान कुछ बोलती, प्रियंका बोली- इसकी चुप्पी तो मैं तोड़ती हूँ. साली इधर आ ऐ मेरे पास !
कहते हुए उसने मुस्कान को पकड़ कर अपने पास खींच लिया और उसकी गाल पर एक चुम्मी लेकर बोली- तुझे शर्म आती है क्या हमारे जैसे बातें करने में ?
तभी सतीश बोला- अरे ये शर्माती है यार !

मोनू बोला- इसे एक हफ्ते के लिए मेरे पास भेज दो. अच्छे से सारी शर्म उतार कर भेजूंगा.
मैंने कहा- मैं तो एक दिन में ही उतार दूंगा इसकी शर्म !
सीमा बोली- मैं और प्रियंका मिल कर अभी उतार देती हैं इसकी शर्म.

ध्यान रहे कि इस वक्त तक हम सभी नंगे ही बैठे थे।

सीमा और प्रियंका बैड से नीचे उतर गयीं और साथ ही मुस्कान को भी पकड़ कर नीचे ले

गयीं।
प्रियंका बेशर्मी से अपनी चूत को मुस्कान के सामने अपने दोनों हाथों से खोल कर बोली- ये पता है न क्या है ? साली इसका नाम बता ?
मुस्कान बोली- अबे बस करो सालियों, ये तेरी फुद्दी है मादरचोद, अगर तुम्हारे सामने चुद सकती हूँ तो बोल भी सकती हूँ कुतिया !

उसके ये शब्द सुन कर सीमा बोली- लो ये तो हमसे भी एडवांस निकली साली, इसकी गांड मरवाते हैं आज !
तभी प्रियंका ने मुझे आवाज़ दी- जानू आओ जरा मुस्कान कि गांड चोदनी है.
मैंने कहा- क्यों उस बेचारी को परेशान करती हो ? आ जाओ इधर !

इधर हमारे लौड़े भी दूसरे राउंड के लिए तैयार हो रहे थे.

मैं बैड से नीचे उतर कर उनके पास चला गया और बोला- अब बताओ किसने गांड मरवानी है ?
सीमा बोली- जिसके आप फेन हो.
मैंने कहा- मैं किसका फैन हूँ ?
सीमा फिर बोली- भूल गये क्या ? अभी दस मिनट पहले तो मुस्कान को चुदते हुए देख कर बहुत मस्त हो रहे थे.
मैंने कहा- वो तो तू भी हो रही थी साली मेरे लौड़े पर बैठ कर !
सीमा ने कहा- मैं तो आपकी फैन हूँ ही न.

मुस्कान बोली- इनकी फुदियों में लंड डाल दो, नहीं तो ये ऐसे ही बक बक करती रहेंगी दोनों !
मोनू बोला- फुदियों में नहीं, फिर तो इनके मुंह में लौड़े देने पड़ेंगे.

मैंने कहा- अगर आप सभी को ठीक लगे तो इस राउंड में सभी लड़कियों की गांड में लंड डाले जाएँ ?
मुस्कान बोली- नहीं यार, दर्द होगा और मज़ा भी नहीं आयेगा.

सीमा ने कहा- हमें तो मज़ा आना चाहिए बस, जैसे मर्जी करो !
प्रियंका ने मुस्कान को कहा- यार घबरा मत, मैं तेरी हेल्प करुँगी.
मैंने भी कहा- अगर कोई प्रॉब्लम होगी या दर्द हुआ तो हम नहीं करेंगे. परन्तु एक बार ट्राई करके देख यार !

हमारे जोर देने पर मुस्कान तैयार हो गयी.

मेरे लंड को सीमा ने अपने मुंह में लेकर चुसना शुरू कर दिया ताकि वो खड़ा होकर गांड में जाने के लिए रेडी हो जाए.
और अब तक सतीश और मोनू भी नीचे हमारे पास आ चुके थे।

कहानी जारी रहेगी.
smartcouple11@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-19

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि समुद्र तट पर मस्ती करने के बाद हम सभी जब खाना खा रहे थे, तब अपनी अपनी पार्टनर के बारे में बता रहे थे. मैं अपनी बहन […]
Full Story >>>

सुन्दर जवान लड़की की कुंवारी चूत-3

दोस्तो, अभी तक आपने मेरे और रूपा के बारे में जाना कि किस प्रकार से मैं रूपा को अपने प्लान में फंसा लिया। जितना मुश्किल मैं समझ रहा था ये काम उतनी ही आसानी से हो गया था। रूपा अब […]
Full Story >>>

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-18

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि मैं अपनी बहन चित्र को चोद रहा था, तभी मेरे डैड का फोन आया और उन्होंने दीदी से मेरी शादी की बात की. आलिया से मेरी शादी […]
Full Story >>>

सुन्दर जवान लड़की की कुंवारी चूत-2

दोस्तो, कहानी के दूसरे भाग में आपका स्वागत है। अभी तक आपने मेरे और रूपा के बारे में जाना। दोस्तो, अब मैं रोज उस छेद से रूपा को रात में देखा करता था और उसे अपना बनाने के लिए तरीके […]
Full Story >>>

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-16

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि हम चारों मर्दों ने अपनी अपनी बहनों की चुदाई का मजा लिया था. चुदाई के बाद सब थक गए थे, इसलिए सब अपने साथी के साथ कमरों […]
Full Story >>>